एम.एच.डी.-2

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.एच.डी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2008

एम.एच.डी.-2 : आधुनिक हिन्दी कविता

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : ***सभी*** *प्रश्न अनिवार्य हैं ।*

1. निम्नलिखित में से किन्हीं ***तीन*** काव्यांशों की व्याख्या कीजिए : *3×12=36*

(क) चर्चा हमारी भी कभी संसार में सर्वत्र थी,
वह सद्‌गुणों की कीर्ति मानो एक और कलत्र थी ।
इस दुर्दशा का स्वप्न में भी क्या हमें कुछ ध्यान था ?
क्या इस पतन ही को हमारा वह अतुल उत्थान था ?
उन्नत रहा होगा कभी जो हो रहा अवनत अभी,
जो हो रहा उन्नत अभी, अवनत रहा होगा कभी ।
हँसते प्रथम जो पद्‌म हैं, तम-पंक में फँसते वही,
मुरझे पड़े रहते कुमुद जो अंत में हँसते वही ।।

(ख) विजन-वन-वल्लरी पर
सोती थी सुहाग-भरी – स्नेह-स्वप्न-मग्न –
अमल-कोमल-तनु तरुणी – जूही की कली,
दृग बन्द किये, शिथिल पत्राङ्क में,
वासन्ती निशा थी;
विरह-विधुर-प्रिया-संग छोड़
किसी दूर देश में था पवन
जिसे कहते हैं मलयानिल ।

(ग) जो तुम आ जाते एक बार !

कितनी करुणा कितने सँदेश
पथ में बिछ जाते बन पराग;

गाता प्राणों का तार-तार
अनुराग भरा उन्माद राग,
आँसू लेते वे पद पखार !

हँस उठते पल में आर्द्र नयन
धुल जाता ओठों से विषाद,

छा जाता जीवन में वसन्त
लुट जाता चिर संचित चिराग़,
आँखें देती सर्वस्व वार !

(घ) कालिदास, सच-सच बतलाना !
इंदुमती के मृत्युशोक से
अज रोया या तुम रोये थे ?
कालिदास, सच-सच बतलाना !

शिवजी की तीसरी आँख से
निकली हुई महाज्वाला में
घृतमिश्रित सूखी समिधा-सम
कामदेव जब भस्म हो गया
रति का क्रन्दन सुन आँसू से
तुमने ही तो दृग धोये थे ?
कालिदास, सच-सच बतलाना
रति रोई या तुम रोये थे ?

(ङ) हरी बिछली घास ।
दोलती कलगी छरहरी बाजरे की ।

अगर मैं तुम को ललाती साँझ के नभ की अकेली तारिका
अब नहीं कहता,
या शरद के भोर की नीहार-न्हायी कुँई,
टटकी कली चम्पे की, वग़ैरह, तो

नहीं कारण कि मेरा हृदय उथला या कि सूना है
या कि मेरा प्यार मैला है ।

बल्कि केवल यही : ये उपमान मैले हो गये हैं ।
देवता इन प्रतीकों के कर गये हैं कूच ।

2. नवजागरण और राष्ट्रीय चेतना के कवि के रूप में भारतेन्दु हरिश्चंद्र का मूल्यांकन कीजिए । *16*

अथवा

जयशंकर प्रसाद की काव्य-भाषा और शिल्प की विवेचना कीजिए ।

3. महादेवी वर्मा की कविताओं में प्रयुक्त प्रतीक योजना पर प्रकाश डालिए । *16*

अथवा

रामधारी सिंह दिनकर की कविता के विभिन्न आयामों की चर्चा कीजिए ।

4. नागार्जुन के काव्य में संवेदना के विविध रूपों पर विचार कीजिए । *16*

अथवा

'अंधेरे में' कविता की काव्यगत विशेषताएँ बताइए ।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणियाँ लिखिए : *2×8=16*

(क) मैथिलीशरण गुप्त की राष्ट्रीय चेतना

(ख) राम की शक्ति पूजा

(ग) प्रयोगवाद

(घ) नवजागरण और हिन्दी कविता